उपलज़्ध संसाधनों का अच्छी तरह से नियंत्रित उपयोग होना चाहिए। प्रकृति के शोषण पर भरोसा करने के वजाय, हमें प्रकृति को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी के लिए रोजगार की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य के संरक्षण और संयमी खपत के जरिए पूंजी निर्माण के महत्व पर जोर दिया था। उन्होंने विकेंद्रीकृत अर्थ व्यवस्था, जीवन के सांस्कृतिक और अन्य मूल्यों की सुरक्षा का समर्थन किया था। उन्होंने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, समाज की प्रकृति की रक्षा और पोषण के लिए मानवतावाद के आदर्शों के आधार पर एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण का जोरदार समर्थन किया था।

आज देश में उसी अवधारणा को लेकर काम किया जा रहा है। विश्व स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों की शुरूआत और वर्तमान समय के नए उत्साह को ध्यान में रखते हुए प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि में नया भारत तैयार करने के उद्देश्य से प्रगति, समृद्धि और स्थिरता पर काम किया जा रहा है। भारत स्थिरता के प्रभावशाली मानकों के आधार पर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही अपने लोगों को उदार लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ मिलकर और गहरी और व्यापक जातिवाद पर काबू पाने और अन्य सामाजिक बुराइयों को एकीकृत मानवतावाद के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए इसे जोर देने की जरूरत है कि सभी एसडीजी में एकता है। इसलिए, एक विशेष एसडीजी का क्रियान्वयन अलगाव में नहीं हो सकता। एसडीजी को एक एकीकृत तरीके से हासिल किया जाता है। जिसमें सभी एसडीजी के एक साथ क्रियान्वयन के लिए प्रयास किए जाते हैं। एक एसडीजी के सफल क्रियांवयन ने अन्य एसडीजी के कार्यान्वयन को मजबूत किया है। पूरे कार्यान्वयन तंत्र को सहयोग की भावना के साथ काम करना चाहिए। ऐसा करने में एसडीजी सामग्री समृद्धि, इम्टी और स्थिरता के पूर्ण अनुभव के लिए एक-दूसरे को और समृद्ध बनाएगा। सतत आर्थिक विकास: एसडीजी 8 और एसडीजी 12 को कार्यान्वित करना एसडीजी 8 और उसके संबंधित लक्ष्य उत्पादन के सभी स्तरों पर उत्पादकता, रचनात्मकता और नवीनता को कम करके उच्च आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए एक व्यापक नुस्खे हैं। लेकिन साथ ही संसाधन दक्षता की देखभाल के साथ समावेशी माध्यम

लाभदायक और सुरक्षित रोजगार और बड़े और छोटे, औपचारिक और अनौपचारिक और पुरुष और महिला के बीच असमानताओं को तोड़ना भी है। एसडीजी 12 और उसके लक्ष्य जो उत्पादन में कचरे को कम करते हैं अपने मूल में बेकार उपभोग के विनियमन हैं। एसडीजी 12 में वकालत के रूप में स्थाई खपत और उत्पादन का टेज़्पलेट, स्थाई संसाधन और प्राकृतिक संसाधनों के कुशल उपयोग